(c) if so, the steps taken to have a uniform system ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH): (a) No, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) The Central Government have been in correspondence with the State Governments to bring about rationalisation of entertainment-tax but in view of the resultant loss in revenues, the State Governments have generally been reluctant to accept the proposal.

AIRCRAFT CRASH ON 26TH JANUARY, 1968

4575. SHRI KAMESHWAR SINGH: SHRI A. SREEDHARAN :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that one Aircraft crashed after the fly-past on the 26th of January, 1968;

(b) if so, the news has been suppressed; and

(c) the type of aircraft crashed in the accident ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) : (a) to (c). No, Sir. But an accident of the type took place on the 29th January, 1968, when the aircraft which had participated in the fly-past was returning to the base.

As usual in the case of such accidents, the next-of-kin of the pilot killed in the accident, was informed. The news regarding the accident appeared in certain newspapers.

---

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED FIRING BY THE UNDERGROUND NAGAS ON THE SECURITY FORCES

SHRI CHENGALRAYA NAIDU (Chittoor) Sir, I call the attention of the Minister of External Affairs to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon :—

The reported firing by the Underground Nagas on the Security Forces recently which has aroused considerable tension in the area.

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : On 7th March, 1968, our security forces in Kohima District of Nagaland State received information that a gang of approximately 200 armed Underground Nagas was camping at Thetsema village, 40 miles South East of Kohima. The same gang was earlier reported to have camped in Chobama village, about the same distant from Kohima. As our security forces approached Thetsema village on 9th March, 1968, the Underground opened fire on them. Our security forces returned the fire and in the exchange, one Underground Naga is believed to have been killed. One jawan of the security forces sustained injuries. The hostiles vacated the camp which they had established in the village school and immediately withdrew. The situation is being kept under careful watch.

SHRI CHENGALRAYA NAIDU: Under the guise of cease-fire the Underground Nagas are having connections with China and their agents here—you call them Communists (Marxist) or Left Communists—and are having an alliance with them. These people are only acting as the agents of the Chinese and are helping the Underground Nagas. They are creating trouble in the country. Will the Government take action to ban the Communist (Marxist) Party—you call them, Left Communists—in the country ?

SHRIMATI INDIRA GANDHI : There is no proposed to ban any party.

SHRI NAMBIAR (Tiruchirapalli) : It is a conspiracy. It is being repeated every day.

SHRI K. N. TIWARY (Bettiah) : Not against you; only against those who are anti-national.

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री (बागपत) : श्रीमन्, सन्, 1964 से हमारा अंडरग्राउन्ड नागाओं के साथ सीज फायर ऐग्रीमेंट चल रहा है और अभी फरवरी से हमारी सरकार ने उसे तीन महीने के लिये और बढ़ाया है । अब तक तो नागा लोग नागरिकों पर हमला करते थे, उन्हें मारते थे, रेलें उड़ाते थे लेकिन यह पहली घटना है कि उन्होंने हमारी फौजों पर भी आक्रमण किया है और यही नहीं रिपोर्ट तो यहां तक है कि 500 से ज्यादा नागाओं का एक दल उन के जो तथाकथित सेनाध्यक्ष हैं जनरल अंगामी उन के नेतृत्व में बर्मा के रास्ते चीन जाते हैं । यह बात काफी सीरिअस है कि जब उन का एक अधिकारी बाकायदा जा रहा है तो यह नहीं कहा जा सकता कि जो अंडरग्राउंड नागाज हैं वह इस में शामिल नहीं हैं । डा० टी० एन० अंगामी जो वहां हमारे मुख्य मंत्री हैं उन्होंने कल ही इस संबंध में एक वक्तव्य भी दिया है और उस में उन्होंने कहा है कि मैं इन लोगों से बातचीत करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारा कोई पोलिटिकल सेटिलमेंट उन के साथ नहीं हो सकता । नागाओं ने जो हम ने उन के साथ युद्ध विराम किया है और इस के बाद उस को एक्सटेंड किया है उसकी भी उन्होंने बाजाब्ता घोषणा नहीं की । उन्होंने अपने प्रतिनिधियों को नामिनेट नहीं किया । तो ऐसी स्थिति में मैं अपने प्रधान मंत्री से पूछना चाहता हूं कि अब सरकार की क्या नीति है क्योंकि देश की भावना यह है कि अब यह मामला साफ होना चाहिए । हम जो यह बातचीत बढ़ाते चले जा रहे हैं और वह इस को बढ़ाने की घोषणा भी नहीं करते इस का सीधा सा मतलब है कि वे अपनी तैयारी कर रहे हैं और आप पर दबाव डाल रहे हैं और सरकार उसी रास्ते पर चल रही है जिस रास्ते पर बराबर पिछले सालों से चली आ रही है । ऐसी स्थिति में सरकार अपनी नीति को बदलने के लिए तैयार है या नहीं यह मैं प्रधान मंत्री से प्रश्न करना चाहता हूं ।

श्रीमती इन्दिरा गांधी: यह जो एक इंसीडेंट अभी हुआ यह जरूर गंभीर है और जैसा माननीय सदस्य महसूस करेंगे फौरन कदम उठाया गया और सफलतापूर्वक उठाया गया । जब से यह सीज फायर हुआ है तब से थोड़े बहुत ऐसे वाकयात होते रहते हैं । यह पहला है जैसा माननीय सदस्य ने कहा जो कुछ गंभीर है । लेकिन यह जो दूसरे हुए हैं यह नागालैण्ड में नहीं हुए हैं बल्कि मणिपुर में हुए हैं और वहां भी उन का मुकाबिला जोरों से और सफलतापूर्वक किया जा रहा है ।

जहां तक नीति का सम्बन्ध है, वह प्रश्न यह है कि जो वहां पर एक स्थिति उठी है उसका सामना कैसे किया जाये ? अधिकतर जैसे यहां कई दफे मैंने कहा कि वहां पर बहुत से नागा ऐसे हैं जैसे कि जो नागालैण्ड की सरकार है और उन के साथी हैं, जो चाहते हैं कि यह सब कार्यवाहियां, जो नाजायज कार्यवाहियां हो रही हैं वह रोकी जाएं । हमारी नीति है कि इस काम में उन के हाथ मजबूत करें और कोशिश करें कि अधिक से अधिक नागा हमारी तरफ आयें । हम यह समझते हैं कि जब से यह बातचीत चली है चाहे एक गुट हो अंडरग्राउंड नागाज का जो बहुत ही नाजायज और गलत बातें करता हो जिस का हम पूरी तरह से सामना करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन नागालैण्ड की साधारण जनता में एक शांति रहे यह भावना आई है और फैल रही है और हम को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए कि उस भावना को भंग करें । लेकिन साथ ही साथ में यह जरूर कहना चाहती हूं कि जहां भी कहीं कोई ऐसे गलत कदम कुछ लोगों ने उठाए हैं कि जिससे सीज-फायर भंग हो तो उस के लिये हमें पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए ।

SHRI HEM BARUA (Mangaldai) : You have been told on the floor of this

[Shri Hem Barua]
House that the word 'cease-fire' must not be used.

MR. SPEAKER : The Members who have put the Calling Attention notice are still there.

SHRIMATI INDIRA GANDHI : I am very sorry, suspension of operation; I can correct it.

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि प्रधान मंत्री जी ने मेरी दो बातों का जवाब नहीं दिया । एक तो यह कि जनरल अंगामी जो उन के कमांडर इन चीफ हैं वह अपनी 500 आदमियों की पार्टी ले कर चीन गए या नहीं वर्मा के रास्ते और नम्बर (2) जब हम ने बाकायदा ट्रूस को एक्सटेंड किया अप्रैल तक और अप्रैल आने को है तो क्या यह भी ठीक है कि जो हमारे प्रतिपक्षी हैं उन्होंने वाजाब्ता इस की घोषणा नहीं की ?

MR. SPEAKER: She has answered all those points about Underground Nagas, how they are trying to wean away from them; then, about strengthening the hands of the Government, supporting the Government and all that. You are making another speech now. Evidently, you did not hear her.

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री: अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि वह यह बतायें कि उन्होंने अब तक बाकायदा घोषणा की है या नहीं ? जैसे हम ने की है कि हम अप्रैल तक बढ़ाते हैं, उसी तरह उन्होंने भी की है या नहीं, उन्होंने अपने डेलीगेट्स नौमिनेट किये हैं या नहीं ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : मेरी समझ में नहीं आया आप किस डेलीगेशन की बात कर रहे हैं, यहां कोई डेलीगेशन नहीं है ?

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : हम से बात करने के लिये । जो आप से बात करेगा, क्या उन्होंने किसी को नौमिनेट किया है ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : बात करने का इस समय कोई प्रश्न ही नहीं है—न हमारी तरफ़ से है और न उनकी तरफ़ से है । जहां तक माननीय सदस्य हेम बरुआ ने कहा—वह ठीक है, मैंने गलत शब्द का उपयोग किया था, मैं कहना चाहती थी—"सस्पेन्शन आफ़ आपरेशन" ।

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : इन लोगों के साथ इस तरह का समझौता करने के बाद कि लड़ाई बन्द हो, करीब-करीब चार साल हो गये हैं । इन्होंने अभी फरमाया कि जो लोग शान्ति और सुलह चाहते हैं, उन के साथ हम शान्ति और सुलह करेंगे और जो लोग विद्रोही हैं और अलगाव की नीति चलाना चाहते हैं, उन का हम सामना करेंगे । मैं इन से जानना चाहता हूं कि क्या सामना करेंगे—मणिपुर क्षेत्र में, जिसके बारे में यह समझौता हुआ था, कई दफा हमले हो चुके हैं और अब पहली बार नागालैण्ड के इलाके में भी हमारी सिक्योरिटी फोर्सेज के ऊपर यह हमला हुआ है । साथ ही साथ क्या उन का ध्यान इस रिपोर्ट की तरफ़ भी गया है ।

> "Confirmation is now available about the reported return of about 150 Naga rebels from Communist China with arms and training in guerilla warfare."

और 500 नागा चीन की ओर चल पड़े हैं । इन में से 300 पहुंच चुके हैं और 200 पहुंच रहे हैं—क्या सामना करने का यही मतलब है कि अब नागालैण्ड के इलाके में भी हमला होने लगा—क्या सामना करने का यही मतलब सरकार निकालती है.....

श्रीमती इन्दिरा गांधी : जी नहीं, यह मतलब नहीं है ।

श्री मधु लिमये : तो फिर आप क्या कर रहे हैं, इन का सामना करने का मतलब क्या है ? इन घटनाओं के बारे में आप क्या कर रहे हैं ? इतनी बड़ी संख्या में हथियार पाने के

लिये वे लोग चीन जा रहे हैं और चीन से हथियार लेकर वापस आ रहे हैं— इक्के-दुक्के का सवाल होता तो समझ में आ सकता था, लेकिन जब 700–800 लोग जाते हैं तो सरकारी सेना क्या कर रही है, आपकी सिक्योरिटी फौर्सेज क्या कर रही हैं ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : इस पर हाउस में पहले भी चर्चा हो चुकी है और यह सच है कि ऐसे कुछ ग्रुप्स गये हैं, काफ़ी उन को रोका गया है, लेकिन कुछ निकल गये हैं, इस के लिये हम और जोरों से कोशिश कर रहे हैं, बार्डर जितना भी बन्द हो सके, वह हो, लेकिन यह चीज एक दम नहीं हो सकती, आहिस्ता-आहिस्ता हो सकती है, जितनी तेजी से कर सकते हैं, कर रहे हैं, फिर भी जितनी तेजी से होना चाहिये, वह नहीं हुआ है ।

लेकिन मणिपुर की जो बात उठाई गई है, उसके लिये मैंने पहले भी कहा था कि उस का सामना सफलतापूर्वक हो रहा है और वहां की स्थिति काफ़ी काबू में आई है ।

श्री ओ० प्र० त्यागी (मुरादाबाद) : क्या सरकार को इस बात की जानकारी प्राप्त हुई है कि चाइना की सरकार नागालैण्ड को अब समूचे असम में फैला कर स्वतन्त्र असम का नारा लगवाने के पक्ष में है । बर्मा में रहने वाले जो नागा लोग हैं, उनको अपने पक्ष में करके उनके द्वारा बर्मा की टैरिटरी के द्वारा वे चाइना जाकर ट्रेनिंग ले रहे हैं तथा इस शान्ति वार्ता की आड़ में वे लोग पूरी तैयारी कर रहे हैं ? अगर यह जानकारी सरकार के पास है और जैसा प्रधान मंत्री महोदया ने अभी कहा कि अधिकांश नागा हमारे पक्ष में आ गये हैं — तो मैं जानना चाहूंगा कि इसे अधिक सस्पेंस में न रख कर क्या सरकार उन नागाओं के साथ जो हमारे पक्ष में आ गये हैं, कोई फाइनल समझौता करके इस बात को हमेशा के लिये खत्म कर दे, ताकि भावी खतरा आपके सामने न आये, चाइना असम में जो साउथ-वियतनाम बनाने की योजना बना रहा है, वह न बन सके ? क्या सरकार जल्द से जल्द अपना कोई डिसीजन घोषित करने के लिये तैयार है ?

श्रीमति इन्दिरा गांधी : ऐसे मामलों में बहुत जल्दी नहीं हो सकती है । हम नागालैण्ड सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं और जो उचित होगा, वह अवश्य करेंगे । चीन का जो खतरा है – जिसके बारे में माननीय सदस्य ने कहा है—वह सच है. और भी इलाकों में है और उस का जोरों से सामना कर रहे हैं ।

श्री अटल बिहरी वाजपेयी (बलरामपुर) : बर्मा वालों से जो बातचीत हो रही है, उस को भी बतायें ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : जी हां, इस की चर्चा हुई थी ।

PAPERS LAID ON THE TABLE

NOTIFICATION AMENDING THE INDIAN TARIFF ACT, 1934

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): I beg to lay on the Table :—

(1) A copy of Notification No. S.O. 576 published in Gazette of India dated the 7th February, 1968, making certain amendments to the Second Schedule to the Indian Tariff Act, 1934, under sub-section (2) of section 4A of the said Act.

(2) A statement showing reasons for delay in laying the above Notification.

[*Placed in Library, see* No. LT-516/68]

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

TWENTY-FOURTH REPORT

SHRI KHADILKAR (Khed) : Sir I beg to present the Twenty-fourth Re-